

उ.प्र. राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड

(उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम)

विश्वेश्वरैया भवन, विभूति खण्ड, गोमती, नगर, लखनऊ

पीबीएक्स संख्या-2720671, 2720665, 2720670 Fax: 2720846



डायरी संख्या 5648 / कन्सल्टेंसी जॉन
दिनांक 10/12/14

पत्रांक 680/प्रब0आग0-11/ म0प्र0(तक0)/कार्यालय आदेश /रानिनि/2014

दिनांक 6/12/2014

कार्यालय आदेश

प्रायः यह देखा जा रहा है कि निगम में अतिमहत्वपूर्ण एवं अतिविशिष्ट श्रेणी की परियोजनाओं में प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया से चयनित वाह्य वास्तुविद द्वारा वास्तुविदीय मानचित्र, प्रारम्भिक एवं विस्तृत आगणनों का गठन किया गया जा रहा है इन आगणनों का परीक्षण इकाई प्रभारी (सिविल एवं विद्युत) तथा अंचलीय स्तर पर, मुख्यालय द्वारा निर्गत चेकलिस्ट के अनुसार नहीं किया जा रहा है। इकाई द्वारा आगणनों का गहन परीक्षण कर अंचलीय महाप्रबंधक कार्यालय से जांच कराकर उनके द्वारा हस्ताक्षरित आगणनों को मुख्यालय में उपलब्ध कराये जाने की बाध्यता होने पर भी आगणनों को इकाई/अंचलीय स्तर से परीक्षण किये बिना ही मुख्यालय को प्रेषित किये जा रहे हैं, जिससे आगणनों में मानक विशिष्टियों/दरों से विचलन होने के साथ ही शासन में परीक्षण के दौरान आगणित धनराशि में वृहद अन्तर होने की सम्भावना रहती है।

उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए एतद्वारा निर्देशित किया जाता है कि प्रारम्भिक/पुनरीक्षित/विस्तृत आगणन को इकाई प्रभारी एवं अंचलीय महाप्रबंधक स्तर पर मुख्यालय द्वारा निर्गत अद्यतन चेकलिस्ट के अनुसार गहन रूप से परीक्षण कर ही प्रेषित किया जाये, क्योंकि शासकीय स्तर पर किये जाने वाले परीक्षण में समस्त जिम्मेदारी निर्माण निगम की रहती है।

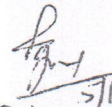
अतः विशिष्टियों से विचलन अथवा आगणित धनराशि में वृहद अन्तर सम्बंधी कमी पाये जाने पर समस्त उत्तरदायित्व सम्बन्धित इकाई प्रभारी/अंचलीय महाप्रबंधक को होगा।

उपरोक्त का अनुपालन गम्भीरतापूर्वक किया जाये।

प्रतिलिपि:-

(आर0के0गोयल)
प्रबन्ध निदेशक

1. महाप्रबंधक(तकनीकी), उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम लि0, मुख्यालय, लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. समस्त अंचलीय महाप्रबंधक, उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम लि0, कन्सल्टेंसी जॉन को इस आशय से प्रेषित कि उपरोक्त निर्देशों के गम्भीरतापूर्वक अनुपालन सम्बंधी स्वयं के स्तर से भी प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करायें।


प्रबन्ध निदेशक 7/12/14